भारत विश्व शांति का समर्थन करता है तथा आतंकवाद और विस्तारवाद का विरोध करता है: लोक सभा अध्यक्ष

***

भारत ने अन्य देशों में आपदा के बाद पुनर्निमाण और पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है: श्री ओम बिरला

***

भारत विश्व स्तर पर कोविड-19 का मुकाबला करने में अग्रणी रहा है: श्री बिरला

***

पुर्तगाल संयुक्त राष्ट्र में सुधार तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन करता है: अंतर-संसदीय संघ के अध्यक्ष, श्री ड्यूएर्ट पाशेको

***

श्री बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी देशों की संसदों को अन्य देशों की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए

****

भारत पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है क्योंकि यह केवल अपने कल्याण के लिए ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के कल्याण के लिए कार्य कर रहा है: श्री ड्यूएर्ट पाशेको

****

नई दिल्ली, 16 मार्च, 2021: अंतर-संसदीय संघ के अध्यक्ष, श्री ड्यूएर्ट पाशेको ने आज संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में संसद सदस्यों को सम्बोधित किया। अंतर-संसदीय संघ के अध्यक्ष के रूप में श्री ड्यूएर्ट पाशेको की यह पहली भारत यात्रा है।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला; प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी; केन्द्रीय मंत्री; राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश; संसद सदस्य और राजनयिक इस अवसर पर उपस्थित थे।

श्री ड्यूएर्ट पाशेको का स्वागत करते हुए श्री ओम बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सदैव विश्व शांति को प्राथमिकता दी है तथा विस्तारवाद और आतंकवाद का विरोध किया है। भारत ने कई देशों में आपदा के बाद पुनर्निमाण और पुनर्वास के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई है। भारत सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भी पूरी सक्रियता से कार्य कर रहा है।

शासन में सुधार लाने और पारदर्शिता संबंधी उपायों के बारे में विचार व्यक्त करते हुए श्री ओम बिरला ने कहा कि सरकार और संसद द्वारा डिजिटल शासन तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी साधनों के उपयोग से लोकतांत्रिक प्रक्रिया सशक्त हुई है। श्री बिरला ने कहा कि संसद और राज्य विधानमंडलों को पेपरलैस बनाने की दिशा में उत्तरोत्तर प्रयास किए जा रहे हैं। श्री बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत अन्य संसदों के क्षमता निर्माण में भी सहयोग कर रहा है।

लोकतांत्रिक देशों और अंतर-संसदीय संघ की भूमिका के बारे में बोलते हुए श्री ओम बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि किसी भी संसद को अन्य संसदों में पारित कानूनों तथा अन्य संप्रभु देशों के आंतरिक मुद्दों पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रीय संसदों को अन्य देशों की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए।

कोविड-19 की चुनौती के संबंध में अध्यक्ष महोदय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक जिम्मेदार भागीदार के रूप में अग्रणी भूमिका निभाई है। भारत ने 150 से भी अधिक देशों को कोविड के उपचार संबंधी सामग्री उपलब्ध कराई है तथा कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए कई देशों में त्वरित कार्रवाई करने वाले दलों की तैनाती की है।

अंतर संसदीय संघ के अध्यक्ष, श्री ड्यूएर्ट पाशेको को बधाई देते हुए राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश ने कहा कि जन प्रतिनिधि के रूप में सांसद समसामयिक मुद्दों के बारे में अपनी सरकारों को प्रभावित करने और जनमत तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के प्रभावी समाधान के लिए संसदों सहित सभी भागीदारों में सहयोग और समन्वय आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि अंतर संसदीय संघ सांसदों को समय-समय पर बैठक करने और ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के साथ ही सर्वोत्तम संसदीय पद्धतियों के बारे में विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक उपयुक्त मंच उपलब्ध कराता है। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि भारत की संसद और इसके सदस्य ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, शांति और सुरक्षा, उग्रवाद और आंतकवाद, महिला-पुरुष असमानता, सामाजिक-आर्थिक असमानता और सतत विकास जैसे मुद्दों के बारे में लोगों के साथ-साथ सरकारों को भी सजग बनाने में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं।

अंतर-संसदीय संघ के अध्यक्ष, श्री ड्यूएर्ट पाशेको ने अंतर-संसदीय संघ के निर्वाचन में भारत के समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि वह अंतर-संसदीय संघ में भारत के एक विशेष मित्र की भांति भारत और इसकी संसद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने के लिए तत्पर हैं। अंतर-संसदीय संघ के अध्यक्ष महोदय ने यह भी कहा कि भारत और पुर्तगाल के बहुत गहरे संबंध रहे हैं और हम केवल मित्र ही नहीं बल्कि भाई हैं।

श्री पाशेको ने महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों तथा कोविड-19 महामारी और इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभावों के बारे में भी अपने विचार व्यक्त किये। श्री पाशेको ने यह भी कहा कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत का बहुत सम्मान किया जाता है और यह अन्य देशों के लिए एक उदाहरण है। लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता सुस्पष्ट है। श्री ड्यूएर्ट पाशेको ने कहा कि भारत पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है क्योंकि यह केवल अपने कल्याण के लिए ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के कल्याण के लिए कार्य कर रहा है।

अंतर-संसदीय संघ के अध्यक्ष ने कहा कि प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में बहुत अधिक आर्थिक और सामाजिक विकास हुआ है। संयुक्त राष्ट्र में सुधार के लिए पुर्तगाल के समर्थन की बात करते हुए श्री पाशेको ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए पुर्तगाल के समर्थन की बात भी दोहराई।